बी. ए. पार्ट – III 2016-17

6.राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्र न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 72	अधिकतम अंक – 200
प्रथम प्र न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्र न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100

प्रथम प्र न पत्र – प्राचीन राजस्थानी काव्य

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र –

1. ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक
2. गोरा बादिल चरित चउपई : (सं.) मुनि जिनविजय

वि ाष्ट अध्ययन

प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार ।

काव्य ाास्त्र : रस, प्रमुख छन्द एवं काव्य दोश ।

प्र न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1. भाग 'अ' लघुत्तरात्मक प्रश्न, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आंतरिक विकल्प नहीं ।
(10 प्र न : भाब्द सीमा 15 भाब्द अधिकतम) **1×10 =10 अंक**

भाग 'ब' दो लघुत्तरात्मक प्र न–दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्र न, कोई आंतरिक विकल्प नहीं ।
(2 प्र न : भाब्द सीमा 100 भाब्द प्रत्येक प्र न) **2×5 = 10 अंक**

इकाई 2. चार व्याख्याएं पाठ्यपुस्तकों पर आधारित

दो व्याख्याएं (ढोला मारू रा दूहा 110 से 210 तक (मारवणी का संदेसा) एवं 654 से 674 तक) आंतरिक विकल्प सहित दो व्याख्याएं (गोरा बादिल चरित चउपई – प्रथम 150 चउपई) आंतरिक विकल्प सहित ।
4×5 = 20 अंक

इकाई 3. ढोला मारू रा दूहा से एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।

(अधिकतम भाब्द सीमा 500 भाब्द) **20 अंक**

इकाई 4. गोरा बादिल चरित चउपई से एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।

(अधिकतम भाब्द सीमा 500 भाब्द) **20 अंक**

इकाई 5. भाग 'अ' प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास, विकास एवं परम्परा, प्राचीन

राजस्थानी रचनाएं एवं रचनाकार ।

परिचयात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित
(अधिकतम भाब्द सीमा : 200 भाब्द) **10 अंक**

भाग 'ब' रस, छन्द एवं काव्य दोश

(1) प्रमुख रस – सामान्य परिचय ।

(2) प्रमुख राजस्थानी छंद : दूहा भेदों सहित, वेलियो, छोटा साणोर, झमाल, निसांणी, सुपंखरो ।

(3) राजस्थानी काव्य दोश : छबकाळ, अंधदोश, अपस्, अमंगल, बेहरो, जाति विरुद्ध, निनंग, परिचय एवं उदाहरण । **10 अंक**

पाठ्यपुस्तकें :–

1. ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक ।
2. गोरा बादिल चरित चउपई : (सं.) मुनि जिनविजय ।
   प्रका ाक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिश्ठान, जोधपुर ।

बी.ए. तृतीय वर्ष–द्वितीय प्र नपत्र

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी री टाळवी गद्य विद्यावां :– संपादक –
   (रेखाचित्र, व्यंग्य, निबन्ध, उपन्यास)

   डॉ. नेम नारायण जो ाी–कूदण बाबो–(रेखाचित्र)

   ि ावराज छंगाणी–संतसालम नाथ बाबो–(रेखाचित्र)

   डॉ. कल्याण सिंह शेखावत– हरख, हैत(निबन्ध)

   लक्ष्मी नारायण रंगा–प्रमाण–पत्र–(एकाकी)

   श्यामसुंदरभारती–डूंगर बळती (व्यंग्य)

   बुलाकी शर्मा– पूंगी–(व्यंग्य)

   मधु आचार्य "आ ाावादी"–गवाड़ (उपन्यास अंस)–(किणरी खीर कुण खावै, गवाड़, असलीसाब, मिनखपणो गवाड़ नी डरै, गवाड़ रो टाबर, घर)

वि ि ाष्ट अध्ययन

2. राजस्थानी भाषा का उद्‌भव एंव विकास, राजस्थानी लिपि का ज्ञान, प्राचीन राजस्थानी भाशा का इतिहास – युगीन परिवे ा प्रवृतियां, रचनाएँ एवं रचनाकार।
3. राजस्थानी लोक साहित्य – सामान्य परिचय, राजस्थानी लोक साहित्य की विद्याएं – लोककथा, लोकगीत, लोकनाट्‌य एवं लोकोक्तियां।
4. राजस्थानी लोक संस्कृति का स्वरूप एवं वि ोषताएं, प्रमुख व्रत, त्यौहार, तीर्थ, वे ा–भूषा, आभूषण आदि।
5. राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन (पांच विकल्पों में से किसी एक विषय पर)।

प्र नपत्र एवं अंक योजना :–

इकाई विभाजन

इकाई–1

भाग ''अ'' अतिलघुत्तरात्मक प्र न सम्पूर्ण पाठ्‌यक्रम को समाहित करते हुए कोई आंतरिक विकल्प नहीं।
(10 प्र न–: शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1X10=10
भाग ''ब'' दो लघुत्तरात्मक प्र न पाठ्‌यपुस्तक में से एक–एक प्र न कोई आंतरिक विकल्प नहीं।
(2 प्र न–: शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्र न) 2X5=10

इकाई–II

राजस्थानी भाषा का उद्भव एवं विकास–राजस्थानी लिपि (मुडिया लिपि) का सामान्य ज्ञान एवं प्राचीन राजस्थानी काव्य की परिस्थितियां, प्रकृतियां, रचनाएं एवं रचनाकार।

(एक प्र न आंतरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द 400) 20 अंक

इकाई–III

पाठ्य पुस्तक (राजस्थानी री टाळवी गद्य विद्यावां) में से एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित।

(अधिकतम शब्द सीमा 400 शब्द) 20 अंक

इकाई–IV

राजस्थानी लोक साहित्य–सामान्य परिचय लोक साहित्य की विद्याएं–लोककथा, लोकगीत, लोकनाट्य लोकोक्तियां।

(एक प्र न आंतरिक विकल्प सहित, अधिकतम शब्दसीमा 400 शब्द) 20 अंक

इकाई–V

भाग ''अ'' राजस्थानी लोक संस्कृति का स्वरूप एवं वि ोषताएं, प्रमुख व्रत, त्यौहार, तीर्थ, वे ा–भूषा, आभूषण आदि।

(आंतरिक विकल्प सहित, शब्द सीमा 200 शब्द) 10 अंक

भाग ''ब'' राजस्थानी भाषा में निबन्ध (पांच विषयों में से एक विषय पर)

(शब्द सीमा 200 शब्द) 10 अंक

<u>अभिप्रस्तावितग्रंथ</u> :–

राजस्थानी भाशा	:	डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्याः साहित्य संस्थान, उदयपुर ।
पुरानी राजस्थानी	:	एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह
राजस्थानी भाशा सर्वेक्षण	:	जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्मारामजाजोदिया राजस्थानी भाशा प्रचार सभा, जयपुर ।
राजस्थानी भाशा और साहित्य	:	डॉ. मोतीलाल मेनारिया, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
राजस्थानी भाशा–एक परिचय	:	नरोत्तमदास स्वामी

राजस्थानी सबद कोस (प्रथम खण्ड)	:	सीताराम लालस–राजस्थानी भाोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
डिंगल साहित्य	:	डॉ. गोवर्द्धन भार्मा
राजस्थानी व्याकरण	:	सीताराम लालस
राजस्थानी लोकसाहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन	:	डॉ. सोहनदान चारण
लोक साहित्य विज्ञान	:	डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य की भूमिका	:	डॉ. कृश्णदेव उपाध्याय
राजस्थान का लोक साहित्य	:	नानूराम संस्कर्ता
राजस्थानी भाशा और साहित्य	:	डॉ. कल्याण सिंह भोखावत
राजस्थानी भाशा और उसकी बोलियां	:	डॉ. देव कोठारी
साहित्य भाास्त्र री ओळखाण	:	गौरी ांकर प्रजापत
मिनखां री माया	:	ि ावराज छंगाणी
ओळू री अख्यातद	:	नेमनारायण जो ाी
मणिमाळ	:	प्रो. कल्याण सिंह शेखावत
संस्कृति री सौरम	:	डॉ. शक्तिदान कविया
कलम अर बन्दूक	:	श्यामसुन्दरभारती
कवि, कविता अर घरवाळी	:	बुलाकी शर्मा
गवाड़	:	मधुं आचार्य "आ ाावादी"

————————————X————————————